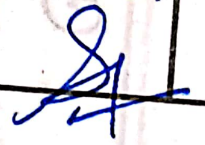


2/12/2025

पना. पैसा हुई। वकील ज़ाही उफ। यानी वकील  
की बहल लुनी गई, यानी वकील के कथन  
रहे कि यानीगि की व-दोवली हाल अराजी  
खसरा नं. 727 रकवा 0.77 हैक्टे., जो  
साबिक खसरा नं. 353 रकवा 3 बीघा  
। विस्वा ले निर्मित किया गया है। वाके  
गगवाना नदलील नदबर् में स्थित है।  
मौके पर उक्त रकवा 0.77 हैक्टे. मौपूफ है।  
जो कि मूयबंध विभाग संवत् 2060 द्वारा  
पूर्व नक्शा के विपरीन आकार में दोरा  
दर्जाया गया है, जो मौके के विपरीन है।



दिनांक  
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुक्म की तामील  
में जारी हुए

खलरा नं. 727 के नीचे हाल आराजी  
 खलरा नं. 730 रुकवा 0.71 व 4.71 रुकवा  
 1.00 मीटर मुमकिन पोखर जो साबिक  
 खलरा नं. 347 रुकवा 6 बीघा 15  
 बिस्वा से निर्मित किया गया है, जो  
 भी हाल नक्शा में जल निर्मित  
 कर दर्शाया गया है। क्योंकि ये  
 दोनों आपस में मिले हुए हैं। इसलिये  
 प्रार्थी का खलरा नम्बर 727 के हाल  
 नक्शा को पूर्व नक्शा के मुताबिक फुल  
 किया जावे तथा ख. नं. 730 को प्रार्थी का  
 ख. नं. 727 के वजानिब इतर में  
 स्थित ख. नं. 471 के पास हाल नक्शा  
 में दर्शाया जावे।

हमने नदलीलदार नदबुर्ह ले  
 रिपोर्ट ली गई। मुताबिक नदलीलदार  
 रिपोर्ट प्रार्थी की खालेदारी ख. नं. 727/0.77 है।  
 का साबिक नक्शा खलरा नम्बर 11 के  
 आधार पर फुलत किया जाने की शुरुआत  
 की जाती है।

हमने प्रार्थी वकील की बयान को  
 सुना, पत्रावली पर उपलब्ध रिकॉर्ड एवं  
 नदलीलदार, रिपोर्ट का अवलोकन किया।  
 बयान पर मनन किया तो पाया कि वादित  
 आराजी खलरा नं. 727/0.77 है। मुता.  
 मिलान क्षेत्रफल संवन 2060 साबिक खलरा  
 नं. 353 रुकवा 3 बीघा बिस्वा से निर्मित  
 हुआ है। जो मू. पुबंध विभाग जमा-संवन  
 2028 मिलान क्षेत्रफल में खारा संख्या 13  
 पर खलरा नं. 353 रुकवा 3 बीघा बिस्वा  
 के रूप में अंकित है। तथा हाल आराजी

ख.नं. 471/01 हेक्टरे तथा ख.नं. 730/0-71 हेक्टरे  
 मुता. मिलात क्षेत्रफल लवन 2060 साबित  
 ख.नं. 347 रकवा 6 बीघा 15 बिस्वा  
 से निर्मित हुआ है। जो कि मू-युबंध  
 विभाग जमा. लवन 2028 के खाना संख्या  
 147 शिवालयक विमा लगानी ख.नं. 347  
 रकवा 6 बीघा 15 बिस्वा के रूप में  
 दर्ज रिपोर्ट है। मुता. तब रिपोर्ट लखना में  
 अतिरिक्त ख.नं. 471 का रकवा बरारी  
 कुरने पर क्षेत्रफल 0.71 हेक्टरे अधिक  
 बनता है। अर्थात् ख.नं. 730 का रकवा  
 भी साबित ख.नं. 347 रकवा 6 बीघा  
 15 बिस्वा के आधार पर ख.नं. 471 के  
 साथ सही समायोजित होता है। ख.नं.  
 727 का रकवा नक्शा लखना के मुता.  
 0.06 हेक्टरे लगभग बनता है। जवाब  
 साबित ख.नं. का आधार पर इलका  
 रकवा 3 बीघा 4 बिस्वा होना चाहिए

अतः प्रार्थी का प्रार्थना-पत्र  
 अन्तर्गत धारा 136 एल आर एक्ट  
 के तहत स्वीकार किया जाऊँट विवादि  
 ख.नं. 727/0.77 हेक्टरे का हाल नक्शा  
 साबित नक्शा के मुताबित एवं  
 तदधीनकार, नद्वदि की रिपोर्ट के आधार  
 पर दुरुस्त किया जाता है। एवं रिपोर्ट  
 अनुसार ही अंकन किया जावे।

प्रार्थना-पत्र संसल शुमार होकर  
 नम्बर ले कुम किया जाकर साबित  
 दफ्तर हो।

उपखण्ड अधिकारी  
 नद्वदि भरतपुर (राज.)

श.नं. 315 लवन  
 उपखण्ड अधिकारी एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट  
 सिविल प्रक्रिया संहिता एवं राजस्व न्याय  
 चैकलिस्ट  
 प्रयालय में वाक्यत्र/प्रार्थना पत्र दर्ज/एडि  
 प्रयालय को क्षेत्राधिकार है ?-  
 योजित मुद्रांक पर है ?-  
 न्य कार्यवाही के हेतु को प्रगट करते  
 मियाद बाहर है ?-  
 वाद से संबंधित सभी को पक्षकार  
 सही रूप में अंकित किया गया  
 वाद पत्र में निरर्थक बातें लिख  
 सी.पी.सी के आदेश 7 का प  
 या दावे के साथ नवीनतम ज  
 या इस आशय का शपथ-प  
 र यह दावा प्रस्तुत कर स  
 व्यक्ति को नहीं किया है ?  
 क्या बंटवारे के दावे ?  
 है ?-  
 11 क्या राज्य सरकार  
 12 क्या दावे के प्र  
 13 क्या राजस्व  
 पक्षकार बन  
 14 क्या वाद  
 15 क्या अ  
 16 क्या  
 धा  
 17  
 18